अनुसार अप्रैल-जनवरी 1998-99 की अवधि के लिए आयातों और निर्यातों का मूल्य निम्नानुसार है:—

मिलियन अम० डालर

वर्ष	आयात	निर्यात	व्यापार घाटा
अप्रैल-जन० 1998-99	34952	27158	7794

(ख) अप्रैल-नवम्बर, 1998-99 की अवधि के लिए डीजीसीआईएंडएस के उपलब्ध अनन्तिम अलग-अलग आंकड़ों के अनुसार गेहूं, चावल, सोना एवं चांदी, मसालों, चीनी, दूध एवं क्रीम, कच्चा जूट, खाद्य तेल, वनस्पति एवं पशु वसा, रुई और अपशिष्ट, अनिवार्य तेल और सौन्दर्य प्रसाधन की वस्तुओं, पेपर बोर्ड तथा विनिर्माण इत्यादि के आयात में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में मात्रा के रूप में वृद्धि प्रदर्शित हुई है। ये औद्योगिक उत्पादन और निर्यात में वृद्धि करने तथा घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक थे।

निर्यात में गिरावट

2021, **श्री नरेन्द्र मोहन:** क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) तमाम कोशिशों के बावजूद भारतीय निर्यात के न बढ़ पाने के क्या कारण हैं;

(ख) क्या इस संबंध में कोई नीति बनाई गई है;

(ग) गत एक वर्ष में सरकार की ओर से निर्यात में वृद्धि करने के लिए जो घोषणाएं की गई थीं क्या उनके अनुरूप निर्यात में वृद्धि हुई है;

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और ऐसे कौन-कौन से क्षेत्र हैं जिनमें गंभीर गिरावट आई है;

(ङ) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की स्थिति क्या है;

(च) इस घाटे को दूर करने के लिए क्या कदम उठाए जाने का विचार है; और

(छ) गत पांच वर्ष के दौरान क्या यह घाटा निरंतर बढ़ा या घटा है?

वाणिज्य मंत्री (श्री रामकृष्ण हेगड़े): (क) से (च) विश्व व्यापार में आम मंदी विशेषकर दक्षिण-पूर्व एशिया के अनेक देशों, जापान और जर्मनी में मंदी, कृषिजन्य वस्तुओं जैसे कुछ क्षेत्रों में घरेलू आपूर्ति की अड़चनों और यूरोपीय संघ के बाजारों में हो रही रुकावटों के कारण भारतीय निर्यात प्रभावित हुआ था। निर्यात को बढ़ाने के लिए अनेक नीतिगत कदम उठाए गए हैं जिनमें शामिल हैं:—निर्यात ऋण पर ब्याज को कम करना, एक्जिम नीति में यथा-निर्दिष्ट विभिन्न दूसरे उपायों के अलावा विकेन्द्रीकरण और प्रक्रियाओं के सरलीकरण के जरिए लेन-देन लागत को कम करना।

डीजीसीआई एंड एस के अनन्तिम आंकड़ों के अनुसार गत वर्ष की संगत अवधि की तुलना में अप्रैल-जनवरी, 1998-99 के दौरान निर्यात में रुपए के रूप में 12% वृद्धि और डालर के रूप में 2% की गिरावट देखी गई। अप्रैल-नवम्बर, 1998 तक उपलब्ध प्रथक आंकड़े यह दर्शाते हैं कि समुद्री उत्पाद, इंजीनियरिंग सामान, इलैक्ट्रानिक सामान (हार्डवेयर), रसायन एवं संबद्ध उत्पाद और वस्त्र, ऐसे प्रमुख क्षेत्र हैं जहां, गिरावट प्रदर्शित हुई है।

डीजीसीआई एंड एस के अनन्तिम आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-जनवरी, 1997-98 में हुए 27707 मिलियन अमरीकी डालर के निर्यात की तुलना में अप्रैल-जनवरी, 1998-99 के दौरान 27158 मिलियन अमरीकी डालर मूल्य का निर्यात होने का अनुमान था, जो 1.98% की गिरावट दर्शाता है। इसी अवधि के दौरान 34951.87 मिलियन अमरीकी डालर के मूल्य का आयात होने का अनुमान है जो 5.02% अधिक है। नीति की समीक्षा करना एक सतत प्रक्रिया है और यह व्यापार और उद्योग के साथ विचार-विमर्श पर आधारित है।

(छ) निर्यात, आयात और व्यापार संतुलन के गत पांच वर्षों के आंकड़े निम्नानुसार हैं:—

(मिलियन अमरीकी डालर)

वर्ष	निर्यात	आयात	व्यापार संतुलन
1994-95	26330	28654	-2324
1995-96	31797	36678	-4881
1996-97	33470	39132	-5662
1997-98	33980	40779	-6799
अप्रैल-जनवरी, 1999	27158	34952	-7794